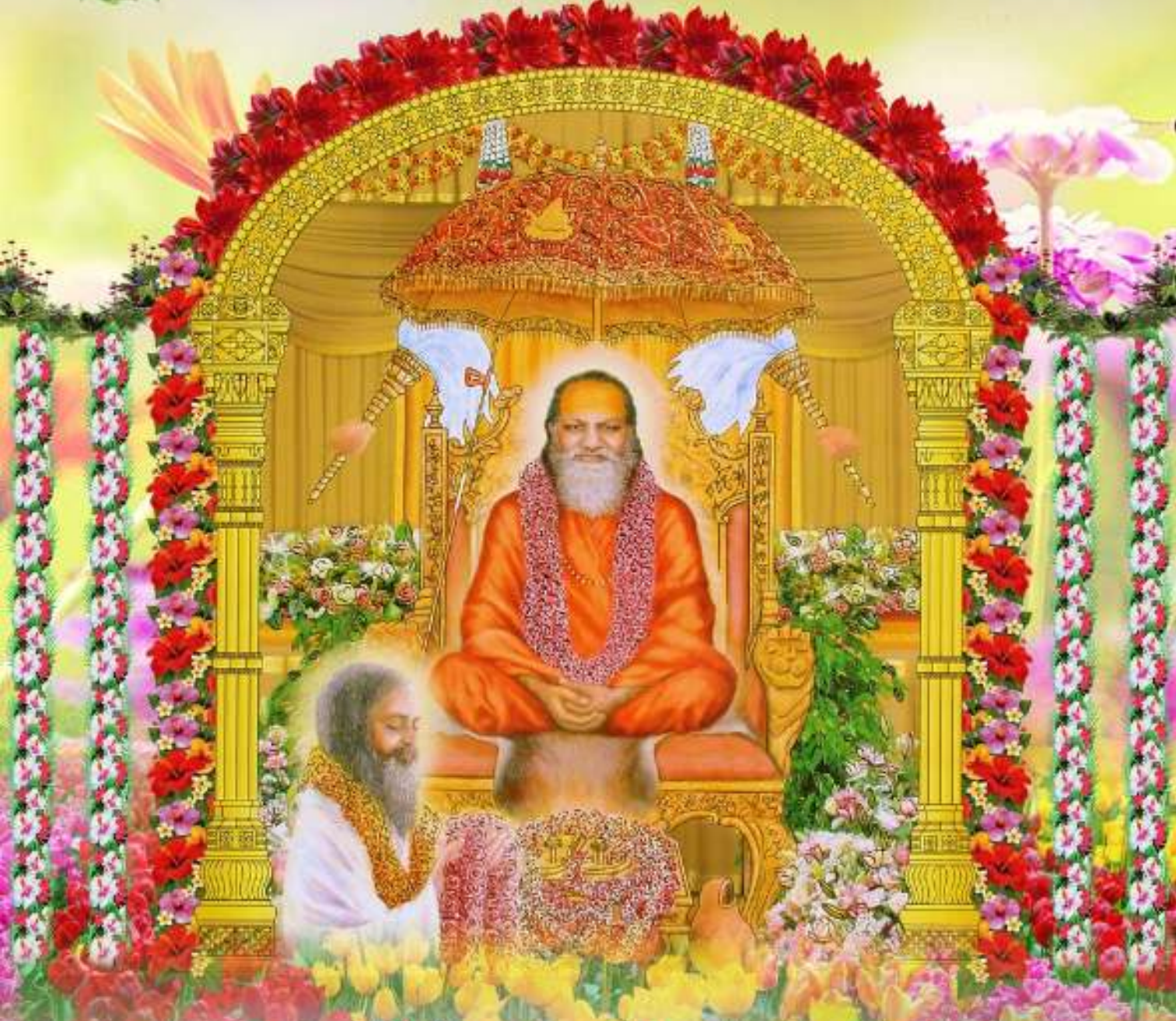




# E-Gyan

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organisations - India



**गुरु पूर्णिमा महोत्सव-2023**

**गुरु पूर्णिमा  
विशेषांक**



# चेतना की प्रेरणा: भावातीत ध्यान

ब्रह्मचारी गिरीश जी

अध्यक्ष, महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

भावातीत ध्यान एक तकनीक है, विद्या है, योगक्रिया है। आत्मानुशासन की एक युक्ति है जिसका उद्देश्य है एकाग्रता, तनाव से मुक्ति, मानसिक स्थिरता व संतुलन, धैर्य और सहनशक्ति प्राप्त करना। ध्यान अपने अंतर में ही रमण करने का, अपनी अंतश्चेतना को विकसित करने का, बाहरी विकारों से मुक्त होकर मन की निर्मलता प्राप्त करने का एक उपक्रम है। ध्यान क्रिया से इन सब उद्देश्यों की प्राप्ति सचमुच सुगम होती है। इस दृष्टि से इस विद्या की उपादेयता स्वयंसिद्ध है।

**युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु। युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।।**



यह स्मरण रखना चाहिए कि यह योग न तो बहुत खाने वाले का, न बहुत भूखा रहने वाले का, न बहुत सोने वाले का और न बहुत जागने वाले का सिद्ध होता है। वास्तव में आनंद और शांति देने वाला यह योग तो यथायोग्य आहार-विहार करने वाले, जीवन-कर्म में उचित प्रकार से रत रहने वाले तथा यथायोग्य (आवश्यकतानुसार) सोने-जागने वालों को ही सिद्ध (सफल) होता है। वर्तमान समय में जीवन के लक्ष्य के चयन में ही सम्पूर्ण जीवन समाप्त हो जाता है और अन्त में समझ आता है कि "न माया मिली न राम।" हमारे ऋषि मुनियों ने भारतीय वैदिक वाङ्मय में अपने जीवन-पर्यन्त अनुभवों का निष्कर्ष प्रस्तुत किया है जिससे हम जीवन के महत्व व उद्देश्य समझकर

अपने जीवन को आनन्दित कर सकते हैं। कलियुग में आनन्द की कल्पना कार्यसिद्धि तक ही सीमित है किंतु आनन्द तो असीमित है। हमारे मन की प्रवृत्ति के अनुसार ही हम आनन्द का अनुभव कर पाते हैं जैसे- मिष्ठान प्रिय मनुष्य मीठा खाकर आनन्दित हो उठता है। संगीत ज्ञाता मधुर संगीत सुनकर आनन्दित होता है। प्रकृति प्रेमी प्राकृतिक सौन्दर्य को देख कर आनन्दित होता है किंतु यह सब क्षणिक आनन्द है क्योंकि सभी का आनन्द परिस्थितियों पर निर्भर है। सच्चा आनन्दित व्यक्ति वह है जिसके मन की प्रकृति ही आनन्दित रहती है। अवसाद का स्थान न हो और ज्ञानी पुरुष कभी भी अवसाद ग्रस्त नहीं होते जैसे भगवान आदि शंकराचार्य जी की जब विद्वान मंडन मिश्र जी से परिचर्चा हुई तो मंडन मिश्र पराजित हुए क्योंकि भगवान आदि शंकराचार्य जी तो ज्ञान की प्रतिमूर्ति थे अतः उनका मन सदैव आनन्दित रहता था। समस्त सृष्टि का आधार विशुद्ध चेतना है जिसके स्पन्दन ही समस्त सृष्टि एवं आकाशीय पिण्डों के रूप में प्रकट हुए हैं। मानव चेतना की तीन विशेषताएँ हैं। वह ज्ञानात्मक, भावात्मक और क्रियात्मक होती है। जब तक 'ब्रह्म' कि अनुभूति नहीं हो पाती, तब तक इंद्रियाँ अनुभव करती रहती हैं। मगर जब अनुभव करने वाला अपने अस्तित्व को भूल जाता है, तब चेतना की उस अवस्था में ब्रह्म की अनुभूति होती है। चेतना की इस "भावातीत अवस्था" की प्राप्ति शब्दों (मंत्रों) की सहजावस्था में मानसिक आवृत्ति से ही की जाती है। इसमें चेतना के कई स्तरों की चर्चा की जाती है। जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति के बाद की चेतना की अवस्था भावातीत चेतना और इसके आगे

पाँचवीं अवस्था तुरीयातीत चेतना की है। इस प्रकार साधना की इस सामान्य प्रक्रिया के द्वारा ब्रह्मांडी चेतना तक पहुँचा जा सकता है। भावातीत ध्यान करने वाले साधकों पर विदेशों में अनेक वैज्ञानिक प्रयोग भी किए जाते रहे हैं।

परमपूज्य महेश योगी जी सदैव कहते थे कि जीवन आनन्द है, क्योंकि यदि हमारे मन की प्रवृत्ति आनन्दित हो जावे तब हम विषम परिस्थितियों में डरेंगे नहीं, घबरायेंगे नहीं और हमारा जीवन भी आनन्दित हो जाएगा। परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी ने मन की प्रवृत्ति को आनन्दमय करने की युक्ति हम सभी को दी है "भावातीत-ध्यान-योग" के रूप में, अतः प्रतिदिन 15 से 20 मिनट प्रातः व संध्या नियमित भावातीत ध्यान योग का अभ्यास आपके मन को आनन्द से भर देगा और हमारे चारों ओर आनन्द की उपस्थिति, वैश्विक अशान्ति को मिटा कर पृथ्वी पर स्वर्ग के निर्माण की परिकल्पना को साकार कर देगी।

जय गुरुदेव, जय महर्षि

**पुस्तक**

**परम पूज्य**  
**महर्षि महेश योगी की**  
**दैवीय छत्रछाया में**  
**ब्रह्मचारी गिरीश**





~~रु. 989/-~~

**विशेष ऑफर**

पुस्तकों में रूचि रखने वालों हेतु

**20% डिस्काउंट**

मात्र रु. **799/-**

आप हमारी वेबसाइट  
[www.vvprakashan.in](http://www.vvprakashan.in)  
पर जाकर इसे ऑनलाइन खरीद सकते हैं

ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने भारतीय शाश्वत पारम्परिक वैदिक विज्ञान का अखण्ड दीप प्रज्वलित कर इसकी प्रकाशमय ज्योति से सारे विश्व को पूर्ण ज्ञान का प्रसाद दिया है। मानव जीवन का कोई ऐसा विषय या प्रसंग नहीं है जिस पर महर्षि जी ने ज्ञानवर्षा न की हो। हमने प्रयत्न किया है कि इस पुस्तक के माध्यम से महर्षि जी द्वारा गुरु शिष्य परंपरा के अनुसार प्रदत्त वैदिक ज्ञान, साधना का क्रम व प्रायोगिक तकनीक एवं विश्व प्रशासन की सामर्थ्य का विवरण प्रस्तुत करें।

हमें आशा और विश्वास है कि महर्षि जी द्वारा पुनर्जागत, पुनर्गठित और पुनर्स्थापित वैदिक ज्ञान विज्ञान के पूर्ण सिद्धांत और प्रयोग समस्त भारतीयों तक और भारतीयों के माध्यम से समस्त विश्व के जनमानस तक सरलता से पहुंच सकेंगे और भू-मण्डल के सभी मनुष्य मानव जीवन के परम आवश्यक चतुर्विध फल धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति कर अपने जन्म को धन्य करेंगे।

- ब्रह्मचारी गिरीश



## Grand Celebration of Shri Guru Purnima-2023

**The order of the Guru is unquestionable : Brahmachari Girish Ji**

With divine blessings of Sri Guru Dev and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, Shri Guru Purnima was celebrated with great fervor and enthusiasm in all the Maharishi Organisations in the country. The national level function was organized under the banner of Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Maharishi Ved Vigyan Vishwa Vidyapeetham and Maharishi World Peace Movement on 3 July 2023, in a grand manner at “Maharishi Mangalam Bhavan” situated in the green premises of Maharishi Vidya Mandir School, Ratanpur, Bhopal.

The celebration began with Shri Guru Parampara Pujan followed by Vedic Shanti Path by Vedic Pundits. Brahmachari Ji and other guests were welcomed with shawl, flowers and shripthal. The lamp lighted during Shri Guru Parampara Pujan symbolised the spirit of Vedic Mantra “Tamso Ma Jyotirgamay”. Thereafter the students of Maharishi Vidya Mandir Ratanpur mesmerized the audience by their Bhajan. After this Master Sunny Sharma student of MVM Ratanpur and Ku. Paridhi Dangi student MCEE Bhopal threw light on the glory of Guru Purnima.



Hon'ble Chairman MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji exalted all the audience to repeat 'Jai Guru Dev, Jai Maharishi' with him. Thereafter Brahmachari Girish Ji said that "we worship our Guru Dev everyday, but invocation of him on the day of Guru Purnima has its own special significance, effect and joy. Maharishi ji always used to say “न गुरु अधिकम्” means there is no one greater than the Guru and there is no service greater than the service of the Guru. Guru is the supreme."

Brahmachari Ji said that ‘Guru is not only spiritual Teacher or Master, but he also gives shape to the life of the disciple so that he/she is successful, happy, healthy, prosperous, enlightened and invincible in future. Guru is regarded as Brahma, Vishnu and Mahesh, having total knowledge of every aspects of life and as and when required, he guides the life of his disciple. The disciple has to have complete dedication, devotion and surrender to the Master and only then he enjoys infinite blessings and attention of his Master. “गुरु आज्ञा अविचारणीय” meaning that "the order of the Master is unquestionable."

‘We have an example before us of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, who totally surrendered his life in the lotus feet of his Guru Dev Anant Shri Vibhushit Jyotishpeethodharak, Swami Brahmanand



Saraswati Ji Maharaj, Shankaracharya of Jyotirmath, Badrika Ashram Himalaya & a Vedanta Incarnate, and gained complete knowledge of Indian Vedic Science including Vedanta.”

Thereafter, a 12-minute documentary based on the life of Gurudev Brahmanand Saraswati Ji Maharaj was screened.

Brahamchari Girish Ji then released E-Gyan, e-monthly newsletter of Maharishi Group of Institutions, quarterly e-newsletter of MWPM, Maha Media – a national social monthly magazine of Maharishi Organisation covering social, cultural & economic, issues and Maharishi Ji’s ideas, and the book "Param Pujya Maharishi Ji Ki Daiviya Chhatrachaya mein- Brahmachari Girish" - written by Hon’ble Chairman MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji.



Professor Bhuvnesh Sharma, Vice-Chancellor of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya reminded everybody to purify the consciousness level by regular practice of TM & TM-Siddhi programme because that is the only way to peace and prosperity in the life. He then presented the works carried out in MMYVV during the year and devoted these to the lotus feet of Shri Guru Dev and Maharishi Ji. The major achievements were organising classes for over 2000 students at Brahmasthan of India for subjects relating

to regular academic courses besides Jyotish, Yog, Yagya and Ayurveda. Offline and Online seminars were also organised both for teachers and students. A MOU has also been signed with a University in Japan for mutual collaboration for subjects relating to Vedic Sciences.

Col. T.P.S. Kandra, Hon’ble Vice-Chancellor of Maharishi University of Management & Technology Bilaspur informed the audience that "University regains momentum after disruption caused by COVID-19 pandemic. Now we have about 1000+ students studying in various streams in the University. This has become possible due to divine blessings of His Holiness Maharishi Ji and untiring efforts of Brahmachari Girish Ji. We will also try very hard to increase the strength of student of students to at least 5000 in coming years." He then dedicated all achievements of MUMT under the lotus feet of Shri Guru Dev and H.H. Maharishi Ji and prayed for better success next year.





Dr. Prakash Joshi, Executive Director MVM Schools Group presented the achievements of students, teachers and principals of various MVM Schools. He informed that 154 Maharishi Vidya



Mandir and Maharishi Centre for Educational Excellence school are functioning in 16 states of the country. Approximately 85000 students are studying in the CBSE/State Board affiliated MVM schools. All students study Vedic Science and practice TM and TM Siddhi Programme apart from syllabus prescribed by CBSE or the concerned State Boards. In the academic session 2022-23 CBSE class XII examination, the overall result was above 90%. 691 students obtained 90% or more marks. 794 students got marks 90% and above in class X examination.

A large number of our students got success in different competitive examinations like IIT (JEE Advance), CPT, CA, NIFT, CLAT, AIIMS, NDA, CA, PMT & Institute of Hotel Management and others. Many of our Principals, teachers and students won prestigious awards and medals in various states and national level sports and other co-curricular activities.

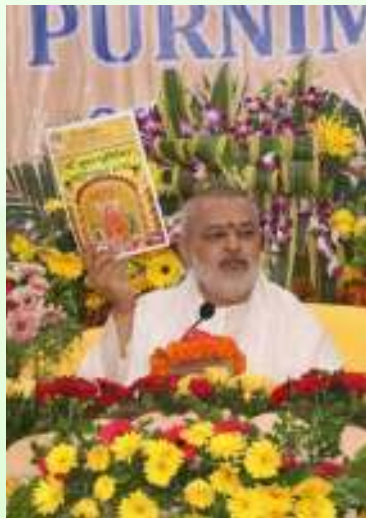


Guru Purnima Celebrations started and completed with the wonderful presentation of devotional songs by Pundit Laxmikant Kandpal on 02 July and Smt. Anuradha Agasthy on 03 July. Shri Laxmikant Kandpal was joined by his son Shri Tarang Kandpal in singing, Shri Piyush Pawar on Santur, Shri Manoj Kumar Nagar on Tabla and Shri Anil Jain on Tal Vad. Smt. Anuradha Agasthy was joined by her husband Shri Srikant Agasty on Tabla and students of MVM Ratanpur in chorus. All of them mesmerized the audience who encouraged and motivated all of them by continuous applause.

# PHOTO GALLERY OF GURU PURNIMA CELEBRATION-2023



# PHOTO GALLERY OF GURU PURNIMA CELEBRATION-2023





# GURU PURNIMA CELEBRATION-2023

## Celebrated in Different MVM Schools and other Maharishi Organisations

The auspicious occasion of Shri Guru Purnima and 15th foundation day of Maharishi World Peace Movement was celebrated with full zeal and fervor in all Maharishi Vidya Mandir Schools across the country.

As per tradition, the celebration started with performing of Shri Guru Parampara Poojan and thereafter all the staff members practiced Transcendental Meditation and Siddhi Programme. After this, year-long achievements of all the schools and other organisations were dedicated to lotus feet of Shri Gurudev and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji. These celebration are presented through picture gallery below –



*MVM Aligarh Main*



*MVM Aligarh Main*



*MVM Almora*



*MVM Almora*



*MVM Amarpatan*



*MVM Amarpatan*



*MVM Angul*



*MVM Angul*



*MVM Barichina*



*MVM Barichina*



*MVM Basti*



*MVM Basti*



*MVM Bhandara*



*MVM Bhandara*



*MVM Chhindwara*



*MVM Chhindwara*



*MVM-V Guwahati*



*MVM-V Guwahati*



*MVM-VI Guwahati*



*MVM-VI Guwahati*



*MVM Hisar*



*MVM Hisar*



*MVM-III Jabalpur*



*MVM-III Jabalpur*



*MVM-VI Jabalpur*



*MVM-VI Jabalpur*



*MVM Jabalpur Vijay Nagar*



*MVM Jabalpur Vijay Nagar*



*MVM Karimganj*



*MVM Karimganj*



*MVM Naini Prayagraj*



*MVM Naini Prayagraj*



*MVM Panna*



*MVM Panna*



*MVM Pratappur*



*MVM Pratappur*



*MVM-I Raipur*



*MVM-I Raipur*



*MVM Satna*



*MVM Satna*



*MVM Shahdol*



*MVM Shahdol*



*MVM Shajapur*



*MVM Shajapur*



*MVM Sultanpur*



*MVM Sultanpur*



*MVM Thanjavur*



*MVM Thanjavur*



*MVM Trivannamalai*



*MVM Trivannamalai*



*MVM Tumsar*



*MVM Tumsar*



*MVM Indore*



*MVM Guwahati Shilpkhuri*



## MAHA ALUMNI SANGAM

### Maharishi Group of Educational Institution's Alumni Organisation

The Alumni Association of Maharishi Vidya Mandir Schools Group organized "MAHA ALUMNI MEET 2023" on 2nd July 2022 at Maharishi Mangalam Bhawan, Bhopal. This was organised to facilitate, coordinate and consolidate alumni activities of Maharishi Vidya Mandir Schools, MMYVV, MUMT, MIM's, Maharishi Colleges, MKH and Maharishi Ved Vigyan Vishwa Vidyapeetham.

As per the traditions of Maharishi Sansthan, MAHA ALUMNI MEET 2023 started with Guru Parampara Poojan by Hon'ble Chairman MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji. The students of MVM Ratanpur presented a welcome song.



The Alumni Meet started with the welcome address by Brahmachari Girish Ji, Chairman of Maharishi Group of Educational Institutions greeted all Maha Alumni Members and reminded them about their school days and expressed his great joy that now the students are grown to become professionals in many different fields and serving the nation. Brahmachari Girish Ji while addressing the students said that "Ideal education is capable of providing the fruit of all knowledge while the tree of knowledge is still growing: the student is

fulfilled as he grows in the ability to think and act in accordance with natural law, and live life free from mistakes and suffering. Contact with the source of all knowledge in his own awareness, together with the enjoyment of the fruit of all knowledge in daily activity, makes the student a master of life. Far surpassing the traditional idea a school—to encompass all knowledge in one campus—such a student realizes a new ideal of education, to possess all knowledge in one brain."

Brahmachari Girish Ji further said that "it is a matter of great pleasure that you all are doing well in the second phase of your life, your professional life. But wherever you go in the world, always stay connected to your roots. I have full hope that our alumni of Maharishi educational institutions will spread the pride of country all over the world. Such events not only help alumni to meet their friends and colleagues but also to share their professional experiences and take blessing from teachers and parents. These are the people from whom we learn, interact and reach our goals in life. This is our true Indian tradition."

Brahmachari Girish Ji exalted the alumni on this occasion and said that "practicing Transcendental Meditation regularly for 20 minutes in the morning and 20 minutes in the evening is an investment, not





a waste of time. The network of Maha Alumni is spread all over the world. You all join the Maharishi World Peace Movement and become an active participant in spreading peace and prosperity everywhere. For this please practice Transcendental Meditation, Siddhi programme and Yogic Flying regular."

Speaking on the occasion, Dr. U. Prakasham, Director (Personnel & Administration), MVM Group of Schools, said that "Alumni gatherings always give a new direction and energy to the Institute. Alumni are the best brand ambassadors of the Institute. Wherever you are, there will be a positive attitude towards Maharishi Institutions and there will be a constant live contact between you and the present students. Your faith towards your Gurus and Maharishi Sansthan becomes the bearer of the Guru-Disciple tradition."



Abhinav Bhattacharya, an alumnus of Maharishi Vidya Mandir Vidyalaya, joining Online on this occasion, said that "I am familiar with Maharishi Vidya Mandir culture and this has impacted my entire professional life in a very positive manner resulting in a special place for myself in my organisation. I express my gratitude to the knowledge given by the teachers about Indian Vedic culture."

Shri Ashutosh Tiwari, Dr. Parikshit Upadhyay and Shri Vikas Sangwan alumni of MVM Jind said that "We are completely overwhelmed by the MVM School's traditions, culture and knowledge and they have a positive impact in our career. With the regular practice of Transcendental Meditation, we have been able to accomplish a lot in our lives."

Attributing the credit of their success to the traditions received from Maharishi Consciousness Based Education, the former students of Maharishi Vidya Mandir schools from all over the country promised that they will be always available to provide guidance and help to the present students and the MVM schools in the country.

Shri V. R. Khare Director Communication & Public Relations, Smt. Rita Prakasham, State President and Smt. Arya Nand Kumar, National Communication Secretary of Maharishi World Peace Movement, all the Principals of MVM Schools in Bhopal were also present and inspired all member of Maha Alumni.

# PHOTO GALLERY OF MAHA ALUMNI CELEBRATION-2023



# PHOTO GALLERY OF MAHA ALUMNI CELEBRATION-2023



# श्रावण माह के प्रत्येक सोमवार को महर्षि संस्थान में श्रीमहारुद्राभिषेक का आयोजन



दिनांक 4 जुलाई से भगवान शिव की आराधना का महापर्व, श्रावण माह प्रारंभ हो चुका है। इस पावन अवसर पर पूरे देश के महर्षि संस्थानों जैसे महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम, महर्षि विश्व शांति आंदोलन, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नॉलाजी, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह आदि में प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव का पूजन पूरी श्रद्धा के साथ किया जावेगा। इसका मुख्य समारोह मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम में महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के नेतृत्व में श्री महारुद्राभिषेक का आयोजन 121 वैदिक पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधि-विधान के साथ किया जा रहा है। श्री महारुद्राभिषेक का आयोजन संयुक्त रूप से माह जुलाई तथा अगस्त के प्रत्येक सोमवार को किया जावेगा।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने जन समूह को सम्बोधित करते हुये कहा कि “अधिकमास के चलते इस बार चातुर्मास चार के बजाय पांच महीनों का होगा और 8 सावन सोमवार को व्रत रखे जाएंगे। अधिकमास के चलते इस बार चातुर्मास चार के बजाय पांच महीनों का होगा। ऐसा दुर्लभ संयोग पूरे 19 साल बाद बना है जिसमें श्रावण मास पूरे 59 दिनों का होगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार देवशायनी एकादशी से लेकर देवउठनी एकादशी तक भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं। ऐसे में सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में रहता है।”



ब्रह्मचारी गिरीश जी ने आगे कहा कि “संपूर्ण जगत के कल्याण के लिये श्री महारुद्राभिषेक का आयोजन आज प्रथम श्रावण सोमवार के दिन किया जा रहा है। इस अनुष्ठान से संपूर्ण मानवता में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सुनिश्चित होगा एवं प्रत्येक मानव की चेतना और भी अधिक परिष्कृत होगी। साथ ही विश्व परिवार में शांति, सौहार्द, समृद्धि, पूर्ण स्वास्थ्य और राष्ट्रों के बीच परस्पर मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे। यह आयोजन श्रावण मास में प्रत्येक सोमवार किया जावेगा।”

महारुद्राभिषेक में आसपास के गांवों के सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं महर्षि संस्थानों के सदस्यों ने भाग लिया और साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम को [www.ramrajtv.com](http://www.ramrajtv.com) और [YouTube](https://www.youtube.com) चैनल के माध्यम से ऑनलाईन भी देखा।

**Under the guidelines of CBSE,  
Maharishi Vidya Mandir Schools Group has organised .....**

# **In-Service Training Programme for Teachers**

At Maharishi Vidya Mandir Schools, the students are being imparted modern education along with Maharishi Consciousness Based Education. Regular practice of Transcendental Meditation twice daily is an integral part of this system of education which gives immense physical and mental benefits to our dear students and make our schools unique.

The moving spirit behind the establishment of Maharishi Vidya Mandir Schools, His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji founded unique system of Maharishi Consciousness Based Education (MCBE) which -

- Increases the assimilation capacity of the knower i.e. the students,
- Improves the teacher-student relationship immensely and
- Leads to inner and external development of teachers as well as students.

Maharishi Consciousness Based Education (MCBE) not only meets the aims and objectives of the National Education Policy but goes beyond to develop the students more advanced, holistically and academically. This is amply reflected in the Alumni and present students of Maharishi Vidya Mandir Schools who are excelling in every field relating to administration, service and manufacturing sectors etc.

As per latest guidelines of CBSE for imparting 25 hours In-House Training of Teachers, a comprehensive training covering two subjects namely Classroom Management and Assessment & Evaluation out of the list of generic subjects circulated by CBSE, have been organised for all the teachers of MVM Schools.

For this all the MVM Schools were grouped in 23 clusters keeping in view the distances and number of teachers in one particular cluster centre in such a way that the group size at one particular centre is around 60 or 120. The in-house training of teachers have been completed in all the 23 clusters in the month of July 2023.

During this training, above two subjects have been supported by Principles of Maharishi Consciousness Based Education (MCBE). This training have been carried out with the active participation of experienced and professionally competent Principals and senior teachers and also some of outside faculty. Teachers have enjoyed the training and have been benefited a lot from this.



*MVM Shilpkhuri Guwahati*



*MVM Shilpkhuri Guwahati*



*MVM-IV Guwahati*



*MVM-IV Guwahati*



*MVM Kurukshetra*



*MVM Kurukshetra*



*MVM Silchar*



*MVM Silchar*



*MVM Sultanpur*



*MVM Sultanpur*



## महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish"

*A Book written by Hon'ble Chairman MVM Schools Group in which he has thrown light on his time with Maharishi Ji and now entry into the golden jubilee decade of his enlightened journey under the divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji.*



*Brahmachari Girish Ji has presented his new book "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" (Brahmachari Girish Under Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji) to Jyotishpeethadheeshwar Shankaracharya Ji Maharaj Shri has reviewed the book and appreciated Girish Ji for writing this book.*



*Brahmachari Girish Ji has presented his new book "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" (Brahmachari Girish Under Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji) to Kanchipeethadheeshwar Jagadguru Shankaracharya Swami Jayendra Saraswati Ji Maharaj and received blessings.*



*Brahmachari Girish Ji has presented his new book "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" (Brahmachari Girish Under Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji) to Swami Jitendranath Ji Maharaj, Peethadheeshwar of Shri Nath Peeth, Anjan Gram, Surji, Maharashtra and received blessings.*



*Brahmachari Girish Ji has presented his new book "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" (Brahmachari Girish Under Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji) to Hon'ble Home Minister of Madhya Pradesh Shri Narottam Mishra Ji.*



*Brahmachari Girish Ji has presented his new book "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" (Brahmachari Girish Under Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji) to Senior Lawyer of Uttar Pradesh High Court Shri Alok Sinha Ji and his wife.*



*Brahmachari Girish Ji has presented his new book "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya mein Brahmachari Girish" (Brahmachari Girish Under Divine Umbrella of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji) to Hon'ble Deputy CM of Uttar Pradesh Shri Brajesh Pathak Ji.*



# REPORTS FROM MAHARISHI VIDYA MANDIR SCHOOLS

महर्षि विद्या मन्दिर, शहडोल



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी फुटबालर एवं महर्षि विद्या मन्दिर शहडोल के छात्र अनिदेव से बातचीत करते हुये।

## Maharishi Vidya Mandir Bhandara

Joyful activities were performed by Pre-Primary students at Maharishi Vidya Mandir Bhandara on re-opening of new session.



## महर्षि विद्या मन्दिर, प्रतापपुर

महर्षि विद्या मंदिर प्रतापपुर में सी.सी.ए. के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नन्हें बच्चों ने अपने हाथों से पौधारोपण किया और वृक्षों के महत्व को जाना।



## Maharishi Vidya Mandir Hyderabad

Maharishi Vidya Mandir Hyderabad celebrated Investiture ceremony on 15<sup>th</sup> July 2023. The students of classes VI to XII participated in the programme.

The programme began with Guru puja and prayers and was followed by installation of student cabinet comprising Ashrams and Sports Captains & Vice Captains and Traffic commanders and the oath was administered by the Principal Smt. Vasanthy Parshuraman.

The programme concluded with an impressive march past led by the cabinet members and NCC cadets of the school.



## महर्षि विद्या मन्दिर, फतेहपुर

महर्षि विद्या मंदिर फतेहपुर के एन.सी.सी.सी.टी.ओ. विपिन कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत सफाई अभियान संपन्न कराया गया। महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकेडरी स्कूल फतेहपुर के एन.सी.सी. के छात्रों ने इस सफाई अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही इस अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।



## MVM Ayodhya Nagar, Bhopal

Each of 15 students of Maharishi Vidya Mandir, Ayodhya Nagar Bhopal received Rs. 25,000/- cash award for Laptop/Computer from Shri Shivraj Singh Chouhan, Hon'ble Chief Minister of Madhya Pradesh.



## MVM Trilanga, Bhopal

Sushri Usha Singh Thakur, Hon'ble Minister, Tourism, Culture and Aadhyatm, Govt. of Madhya Pradesh, her sister and three family members, learnt Transcendental Meditation from Smt. Anita Bhargava, TM and Siddhi Teacher of Maharishi Vidya Mandir Trilanga, Bhopal. She was felicitated by the Hon'ble Minister.



## 5<sup>th</sup> Maharishi World Peace Assembly in Bhopal

Under the banner of Maharishi World Peace Movement and Maharishi Shiksha Sansthan, 5<sup>th</sup> Maharishi World Peace Assembly was organized from 1<sup>st</sup> to 5<sup>th</sup> July at Maharishi Bliss Residency Bhopal, in which 97 participants from all over the country have participated.



# E-Gyan Digital Newsletter

## *Best wishes for Maharishi Gyan Yug Diwas Celebrations*

Dear Readers,

We are very pleased to release 170<sup>th</sup> Edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15<sup>th</sup> of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

### **E-Gyan Monthly News Letter contains the following:**

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi puja or vastu puja or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesha or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.

17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.
19. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail [cpr@mssmail.org](mailto:cpr@mssmail.org) as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it’s readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site [www.e-gyaan.net](http://www.e-gyaan.net)

With All the Best Wishes  
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

**V. R. Khare**  
For Editorial Board,  
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

*Copyright © 2023 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan*  
*All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of Maharishi Ved Vigyan Prakashan.*  
*Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, Phone: +91 755 4087351*